BA Part II (H)
Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (Gt)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

Lecture III

जाति व्यवस्था (विशेषताएं) ⇒ भारतीय समाज की अनोखी एवं विशेष - विशेषताओं में से जाति व्यवस्था एक है। इस व्यवस्था ने भारत की सम्पूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक तथा राजनैतिक संरचना को प्रभावित किया है। जाति व्यवस्था की प्रकृति को किसी एक या दो परिभाषाओं के आधार पर नहीं समझा जा सकता बल्कि इसकी विशेषताओं के आधार पर ही समझा जा सकता है, जो इस प्रकार है -

1. किसी भी जाति के सदस्य अपनी जाति के बाहर विवाह नहीं कर सकता।
2. प्रत्येक जाति के सदस्यों पर दूसरी जाति के लोगों के साथ खान-पान के सम्बन्ध रखने पर कुछ विशेष प्रतिबन्ध होते हैं।
3. जाति व्यवस्था में जातियों के व्यवसाय निश्चित होते -

है तथा किसी भी व्यक्ति को अपने जाति के विपरीत व्यवसाय की अनुमति नहीं होती है।

4. सभी जातियों में एक निश्चित संस्तरण पाया जाता है। इस संस्तरण में ब्राह्मणों को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

5. किसी भी व्यक्ति के जाति का उल्लेख उसके जन्म के आधार पर होता है। व्यक्ति यदि अपने जाति के नियमों को तोड़ता है तो वह जाति से बहिष्कृत किया जा सकता है।

6. सम्पूर्ण जाति व्यवस्था ब्राह्मणों की श्रेष्ठता और अश्रेष्ठता पर आधारित है।